धून

१) ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय हर हर भोले नमः शिवाय,
गंगाधराय शिव गंगाधराय हर हर भोले नमः शिवाय,
सोमेश्वराय शिव सोमेश्वराय हर हर भोले नमः शिवाय

२) तांबडं फुल दुर्वांकुर त्यांचा वाहिला तुरा
पार्वती नंदन गजाननाला नित्य तुम्हीं हो स्मरा.

३) नारायण दिनदयाळ रे भजमन राधे गोविंद,
राधे गोविंद भज राधे गोविंद नारायण दीनदयाळ रे.

४) मारूतीराया बलभीमा, मारूतीराया बलभीमा
अंजनी पुत्र बलभीमा, राम भक्त बलभीमा
राम भक्त बलभीमा जय मारूतीराया बलभीमा

५) श्रीराम जयराम जयजय राम, श्रीराम जयराम जयजय राम

६) आई माझा गुरू, आई कल्पतरू प्रेमाचा सागरू आई माझी,
प्रीतीचे माहेर अमृताची धार, मांगल्याचे सार आई माझी

दीपप्रज्वलनम्

दीपज्योति परं(ञ्) ज्योतिः, दीपज्योतिर्जनार्दन।
दीपो हरतु मे पापं(न्), दीपज्योतिर्नमोस्तुते ।।
शुभंङ्करोति कल्याणंम्, आरोग्यं(म्) सुखसंपदाम्।
द्वेषबुद्धिविनाशाय, आत्म ज्योतिर्नमोस्तुते।।
आत्मज्योतिः(फ्) प्रदीप्ताय, ब्रह्म ज्योतिर्नमोस्तुते ।
ब्रह्म जोतिः(फ्) प्रदीप्ताय, गुरुर्ज्योतिर्नमोस्तुते ।।

मातृप्रणाम – १, २, ३

सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला, या शुभ्रवस्त्राऽवृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा, या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माऽच्युतशंकरप्रभृतिभिः(र्), देवैः(स्) सदा वन्दिता
सा मां(म्) पातु सरस्वती भगवगती, निःशेषजाडयाऽपहा ।।१ ।।
शुक्लां(म्) ब्रह्मविचारसारपरमाम्, आद्यां(ञ्) जगद्व्यापिनीं(म्)।
वीणापुस्तकधारिणीम्, अभयदां(ञ्) जाड्यान्धकारापहाम्।
हस्ते स्फाटिकमालिकां(व्) विदधती, पद्मासने संस्थितां(म्)।
वन्दे तां(म्) परमेश्वरीं(म्) भगवतीं(म्), बुद्धिप्रदां(म्) शारदाम् ।।२ ।।

प्रार्थना

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब! विमल मति दे! अम्ब! विमल मति दे!
जग सिरमौर बनाये भारत
वह बल विक्रम दे। अम्ब। विमल मति दे।

साहस शील हृदय में भर दे।
जीवन त्याग तपोमय कर दे।
संयम सत्य स्नेह का वर दे।
स्वाभिमान भर दे ।।१ ।।

लवकुश ध्रुव प्रल्हाद बनें हम।
मानवता का त्रास हरें हम।
सीता सावित्री दुर्गा मां।
फिर घर घर भर दे ।।२ ।।

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब! विमल मति दे। अम्ब! विमल मति दे।।

ब्रह्मनाद ॐ (३ वेळा)

गायत्री मंत्र

ॐ भुर्भुवः(स्) स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं(म्)
भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः(फ्) प्रचोदयात् ।।

मातृवंदना

रत्नाकराधौतपदां(म्) हिमालयकिरीटिनीम्।
ब्रह्मराजर्षिरत्नाढ्यां(व्) वंदे भारतमातरम् ।।३।।

शान्तिपाठ

ॐ द्यौ शान्तिः, अन्तरिक्ष शान्तिः, पृथिवी शान्तिः,
आपः(श्) शान्तिः, औषधयः(श्) शान्तिः, वनस्पतयः(श्) शान्तिः,
विश्वेदेवाः(श्) शान्तिः, ब्रह्म शान्तिः, सर्वं(म्) शान्तिः, शान्तिरेव
शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि। ॐ शान्तिः(श्) शान्तिः(श्) शान्तिः।

मातृप्रणाम १ २ ३

भोजन मंत्र

अन्न ग्रहण करने से पहले, विचार मन मे करना है।
किस हेतुसे इस शरीर का, रक्षण पोषण करना है।।
हे परमेश्वर एक प्रार्थना, नित्य तुम्हारे चरणों मे।
लग जाये तनमनधन मेरा, मातृभूमि की सेवा मे।।
ब्रह्मार्पणं(म्) ब्रह्महविः(र्), ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं(म्), ब्रह्मकर्मसमाधिना।।
ॐ सहनाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं(ङ्) करवावहै।
तेजविना वधि तमस्तु। महाविद् विशाद वहै।
ॐ शान्तिः(श्) शान्तिः(श्) शान्तिः।